Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 10-03-2006

Participants : Jindal Shri Naveen

an>

Title : Co-operating with the Chair in the House for the smooth conduct of the proccedings.

श्री नवीन जिन्दल (कुरूक्षेत्र) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूरे सदन से प्रार्थना करना चाहता हूं कि जब सात तारीख को वाराणसी में अटैक हुआ, उसमें हमारे बहुत से भाई-बहन मारे गए। उसके बाद आठ तारीख को जब हम संसद में मिले, तो पहले दो मिनट का मौन रखा गया और उसके बाद में जिस तरह से हम लोगों ने एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप किए, उनसे नया सांसद होने के नाते मुझे बहुत दुख हुआ कि आतंकवादी आकर हमारे लोगों को मारते हैं और हम उन्हें पकड़ने की बजाय, उनसे निपटने की बजाय अगर हम एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करेंगे, तो मैं समझता हूं कि इस तरह से हम उनके हाथों में खेल रहे हैं। मेरा निवेदन है कि हम सभी का उद्देश्य एक ही है कि हम अपने देश की सेवा करें, हम अपने देश को मजबूत करें। मैं समझता हूं कि हमें एकजुट होकर ऐसे मुद्दों के ऊपर विचार करना चाहिए तथा जहां देश की सुरक्षा का मामला आता है, वहां हमें एकजुट होने की बहुत आवश्यकता है। मैं किसी एक दल विशेा के बारे में बात नहीं कर रहा हूं, हो सकता है कि हम भी यही काम करते हों, लेकिन हमें इन् सब बातों से हटकर ऐसे मुद्दों पर एकजुट होकर यह दिखाना होगा कि हम सब आपस में मिलकर बाहरी ताकतों का मुकाबला करेंगे, न कि हम आपस में लड़ेंगे।

18.58 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

Twenty-fourth Report